

Sl.No. :

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 6

SS-26-Raj.Sah. (D&D)

No. of Printed Pages – 7

उच्च माध्यमिक (मूक-बधिर) (CWSN) परीक्षा, 2024

राजस्थानी साहित्य
(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 4 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

- 1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न-पत्र माथै नामांक लिखों ।
- 2) सगळा सवाल करना जरूरी है ।
- 3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।
- 4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।
- 5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।
- 6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पड़ूत्तर देवौ ।
- 7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

i) राजा भोज किण नगरी सै राजा हौ? [1]

- अ) द्वारका ब) धारा
स) अमरावती द) उज्जैन

अ) ईसरदास ब) पृथ्वीराज राठौड़
स) नरपति नाल्ह द) शिवदास गाडण

अ) घोड़े नै ब) हाथी नै
स) भिरगै नै द) सिंह नै

अ) चित्राम ब) बिड़दावली
स) मांडणा द) साखियौ

अ) रीतिकाल ब) भक्तिकाल
स) आदिकाल द) आधुनिक काल

अ) पूंगळ ब) लिखमी देसर
स) बम्बल् द) कतरियासर

- vii) 'सपनौ आयौ' कविता किण कवि री रचना है? [1]
 अ) शंकरदान सामौर ब) गिरधारी सिंह पड़िहार
 स) हीरालाल शास्त्री द) अस्त अली खां
- viii) सुमनेश जोशी कठै रा रैवासी हा? [1]
 अ) उदयपुर ब) अजमेर
 स) जोधपुर द) बीकानेर
- ix) कवि रै मुज्जब लिछमी किणरौ हियौ रीझावै? [1]
 अ) किसानां रौ ब) मजूरां रौ
 स) धनिका रौ द) राजावां रौ
- x) 'काजली तीज' किण रस री रचना है? [1]
 अ) वीर-रस ब) हास्य-रस
 स) सिणगार-रस द) भक्ति-रस
- xi) मेड़ता परगनौ किण रियासत में हौ? [1]
 अ) मेवाड़ ब) मारवाड़
 स) दूढ़ाड़ द) शेखावाटी
- xii) 'अलेखूं हिटलर' कहाणी रा रचनाकार कुण है? [1]
 अ) विजय दान देथा ब) बैजदान पंवार
 स) नृसिंह राजपुरोहित द) अन्नाराम सुदामा

xiii) प्रबंध काव्य रा कितरा भेद करिजिया है - [1]

- | | |
|--------|---------|
| अ) दो | ब) चार |
| स) तीन | द) पांच |

xiv) 'हरिस्स' मूल रूप सूं किण भांत रौ काव्य है? [1]

- | | |
|----------------|-----------------|
| अ) भक्ति काव्य | ब) सिणगार काव्य |
| स) वीर काव्य | द) नीति काव्य |

xv) जयाचार्य किण पंथ रा आचार्य हा? [1]

- | | |
|--------------|----------------|
| अ) तेरा पंथ | ब) दाइ पंथ |
| स) गूदड़ पंथ | द) लालदासी पंथ |

प्र.2) खाली जाग्यां नै भरतां थकां पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ - [7]

i) 'गाय कठै बांधूं' कहाणी शैली में लिखियोड़ी है। [1]

ii) 'धरती धोरा री' कविता रा रचनाकार है। [1]

iii) 'ओळबौ' कविता में कवि नै ओळबौ दियौ है। [1]

iv) "हाला झाला रा कुण्डळिया" ईसरदास जी रस री रचना है। [1]

v) आज रो सरवण लघुकथा री लेखिका है। [1]

vi) आधुनिक काल रा सगळा सूं पैलड़ा कवि मानीजै। [1]

vii) कनक सुन्दर शिवचन्द भरतिया रचित है। [1]

- प्र.3) सवालां रा पङ्क्तर अक ओळी मांय लिखौ – [10]
- i) बोवै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते होय।' ओळी रौ भाव लिखौ । [1]
 - ii) गाय रै टळयां पछै दूध री पाछी कांई व्यवस्था करी? [1]
 - iii) 'टूटी ओदणिये' कविता मांय टूटी अदावण किण-रौ प्रतीक है। [1]
 - iv) कुण्डलियों किण भांत रौ छंद है। [1]
 - v) 'माटी री मनस्या' लघुकथा री मूल संवेदना कांई है? [1]
 - vi) रेखाचित्रराम 'चामल रा घाट' रा रचनाकार कुण है। [1]
 - vii) अधिकांश विद्वान राजस्थानी भाषा री उत्पत्ति किण अपभ्रंश सूं मानै? [1]
 - viii) छंद रा कितरा भेद मानीजै? [1]
 - ix) राजस्थानी रौ मौलिक अलंकार कुणसो है? [1]
 - x) काव्य रा दो पख कुणसा मानीजै? [1]

खण्ड – ब

- प्र.4) नीचे लिख्योड़ा सवालां रा पङ्क्तर लगै-टगै 30 सबदां मांय लिखौ – [24]
- i) हर्ष जीण री लोकगाथा सूं मिलण वाळी सीख नै आपरा सबदां मांय लिखौ । [2]
 - ii) 'ईमानदान व्यौहार सफलता रौ द्वार' सिद्ध करौ। [2]
 - iii) रणमल्ल छंद री काव्यगत विसेसतांवा नै आपरै सबदां मांय उदाहरण देय'र लिखौ। [2]
 - iv) माखणी रै विरह भाव नै उजागर करौ । [2]
 - v) 'आसोज रै महिनै नुंवापणौ अर उल्लास लावै।' इण कथन नै समझावौ । [2]

- vi) 'पर सुख देख दुःख नही मान्यो, पर धन खोस न खायो।' इण ओळी रौ भाव लिखौ। [2]
- vii) "भाईड़ां, जमानौ बदलियौ पण बदलियौ। इण ओळी रौ भाव उजागर करौ। [2]
- viii) 'हूं बळिहारी सज्जणां, सज्जणां मों बळिहार' इण ओळी रौ भाव स्पष्ट करौ। [2]
- ix) 'प्रीय बिण जीविजई किसइ अधारी' मूल भाव नै खुलासौ करौ। [2]
- x) 'तमाखू री ताड़ना' में कवि किण भांत तमाखू रै विसन नै बुरौ बतायौ है। [2]
- xi) छंद रा भेदां रौ खुलासौ करौ ! [2]
- xii) निबंध रा मूल तत्वां नै स्पष्ट करौ। [2]

खण्ड – स

प्र.5) नीचे लिखी ओळयां रै भावां रौ खुलासौ सप्रसंग व्याख्या करौ – [12]

- i) छेवट चौधरी रतना राम रौ बेटौ दुनीराम ई आपरी मां' रै केवण सूं कम उपजाऊ अर टीवै वाली जमीन लेवण सांरु राजी होयग्यौ। जमीन कांई बंटी, मन भी बंटग्या। [3]

अथवा

जकी चुंतरी माथै आखै गांव री चौपाळ जुड़या करती, गांव रै विकास री बातां होया करती, अवै बठै पटका-पछाड़ी री योजना बणण लागगी।

- ii) राजस्थानी साहित्य रै वीरगाथा-काल री प्रमुख रचनावां अर खासियतां नै उजागर करौ। [3]

अथवा

आधुनिक राजस्थानी कहाणी री उत्पत्ति अर विकसाव आपरा सबदां मांय करौ।

- iii) सुख-दुख में पाड़ौसी ई आडा आवै, सो वै उभा ही आयग्या । लोक में कैवत है कै जलम तो रात रौ अर मरण परभात रौ । [3]

अथवा

“म्हारी तौ यूं चिंता ई मत कर, थारा फूल चुग्यां बिना म्है कतैई कोनी जाऊं । म्हारी मानै तौ थूं लकड़ी रौ गाडौ आगूंच नखायलै भलाई ।

- iv) आयो अंगरेज मुलक रै उपर, आहस लीघा खैचि डरां ।
धणिया मरै ना दीधी धरती, धणिया ऊभां गई धरा ॥ [3]

अथवा

छत्रपतियां लागी नंह छांणत, गढ़पतिया घर परी गुमी ।
बळ न कियौ बापड़ा बोतां, जोतां जोतां गई जमी ॥

खण्ड – द

[12]

- प्र.6) (अ) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा मांय निबंध लिखौ – [4]

- i) म्हारौ प्रिय साहित्यकार
- ii) राजस्थानी काव्य मांय प्रेमाख्यान
- iii) बालिका शिक्षा – बंधता पावंडा
- iv) देस निरमाण मांय मोट्यारा री भूमिका

- (ब) काव्य रौ अरथ बतावंता थकां काव्य रा भेदां नै स्पष्ट करौ । [4]

अथवा

उपमा अलंकार रौ अरथ बतावंता थंका इणां रै भेदां रौ खलासौ करौ ।

- (स) आधुनिक साहित्य मांय हकीकत बयान करणै री प्रवृत्ति किण भांत बध रैयी है? [4]

अथवा

“साहित्य रौ मकसद कांई” होवै खुलासौ करौ।



DO NOT WRITE ANYTHING HERE